भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 5463
गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान के लिए हवाई संपर्क

5463. श्री हरीश चंद्र मीना:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने टोंक सहित राजस्थान में उड़ान योजना के अंतर्गत हवाई संपर्क प्रदान करने के लिए नए शहरों का चयन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उड़ान योजना के उक्त विस्तार के कार्यान्वयन हेतु अपेक्षित समय-सीमा क्या है;

(ग) उड़ान योजना के उक्त विस्तार को कार्यान्वित करने में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उक्त चुनौतियों से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, और

(घ) क्या राजस्थान में विरासत और तीर्थ स्थलों तक हवाई सम्पर्क बढ़ाने के लिए सरकार के पास कोई विशिष्ट प्रस्ताव विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): राजस्थान में आरसीएस-उड़ान के तहत चालू किए गए हवाईअड्डे बीकानेर, किशनगढ़ और जैसलमेर हैं। इसके अलावा, राजस्थान राज्य में आरसीएस उड़ानों के विकास और संचालन के लिए उटरलाई और श्रीगंगानगर हवाईअड्डों की पहचान की गई है।

सरकार ने हाल ही में 120 नए गंतव्यों के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों की सेवा करने के लिए संशोधित उड़ान योजना की घोषणा की है। यह योजना पहाड़ी, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैड और छोटे हवाईअड्डों के लिए भी सहायक होगी। यह योजना वर्तमान में प्रारंभिक चरण में है।

उड़ान योजना मार्गों को लागू करने में आने वाली चुनौतियों में मांग में उतार-चढ़ाव, उच्च परिचालन लागत, मौसम संबंधी व्यवधान, हवाईअड्डे के स्लॉट की कमी, यात्रियों की कम मांग और एयरलाइन समेकन शामिल हैं। मार्गों की दीर्घकालिक स्थिरता में सुधार करने और इन मुद्दों को हल करने के लिए, सरकार एयरलाइनों को व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) प्रदान करती है, क्षेत्रीय हवाईअड्डों के उन्नयन का समर्थन करती है और परिचालन लचीलेपन को प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा, एयरलाइन विफलता जैसे विभिन्न कारणों से पिछले दौर में बंद किए गए पात्र मार्गों को भी बाद के दौर में फिर से बोली लगाई गई, अवार्ड किया गया और परिचालन किया गया।

आरसीएस-उड़ान योजना एक मांग-आधारित चालू योजना है, जिसके अंतर्गत अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की

जाती है। विशेष मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें उड़ान के तहत बोली लगाने के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन वैध बोली के माध्यम से उनकी पहचान करने और चयनित एयरलाइन ऑपरेटर (एसएओ) को अवार्ड के बाद किया जाता है।

******